Workshop on Outcomes Based Education conducted at ICFAI University- July 18, 2018

प्रभात खबर

परिणाम आधारित शिक्षा पर हुई कार्यशाला

रांची. इक्फाइ विवि में बुधवार को परिणाम आधारित शिक्षा पर कार्यशाला आयोजित की गयी. आइआइटी खड़गपुर के पूर्व डीन और केएल विवि के कुलपति डॉ जीएल दत्ता ने कहा कि परिणाम आधारित शिक्षा छात्रों के करियर उद्देश्य के साथ ध्यान केंद्रित करके उच्च शिक्षा में एक आदर्श बदलाव को दर्शाती है. कुलपति डॉ ओआरएस राव ने कहा कि परिणाम आधारित शिक्षा की आज उच्च शिक्षा में प्रणाली की आवश्यकता है. धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ बीएन सिंह ने किया.

the pioneer

RANCHI | THURSDAY | JULY 19, 2018

WORKSHOP ON OUTCOMES BASED EDUCATION

A workshop on Outcomes Based Education, the latest trend in higher education, was conducted for the faculty members at the ICFAI University ,Jharkhand by Prof (Dr) GL Datta, former Dean, IIT, Kharagpur and former Vice-Chancellor of KL University . All faculty members of Management, Science and Technology, IT and Law attended the workshop. Addressing the participants, Dr Datta highlighted that Outcome based Education signifies a paradigm shift in Higher Education by shifting the focus from Teaching to Learning, aligned with the career objectives of the students. Dr Datta also explained how program and course structures and curricula, academic delivery and assessments are to be aligned with the expected outcomes of the programs and also with the vision and mission of the University.

गुरुवार, 19 जुलाई 2018

हिन्दुस्तान

'परिणाम आधारित शिक्षा' आज की जरूरत : डॉ दत्ता

इक्फाई विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित कार्यशाला में विचार रखते वक्ता।

कार्यशाला

रांची | संवाददाता

इक्फाई विश्वविद्यालय में परिणाम आधारित शिक्षा, पर बुधवार को कार्यशाला हुई। इसमें विशेषज्ञ के तौर पर आईआईटी खड़गपुर के पूर्व डीन व केएल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ प्रो जीएल दत्ता मौजूद थे।

कार्यशाला प्रबंधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आईटी व लॉ विभाग के सभी शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

डॉ जीएल दत्ता ने कहा कि परिणाम आधारित शिक्षा उच्च शिक्षा की जरूरत है। ताकि, स्नातक छात्रों को नियोक्ता सक्षम बनाया जा सके। इसके लिए उन्होंने पाठ्यक्रम और अध्यापन को उद्योग और समाज की बदलती जरूरत के अनुरूप बनाने पर जोर दिया। यही आज की मांग है।

उन्होंने पाठ्यक्रम के परिणाम व सत्र कैसे तैयार किए जा सकते हैं, इससे संबंधित सुझाव भी दिए। मौके पर रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

दैनिक भास्कर, रांची, गुरुवार, 19 जुलाई, 2018

इक्फाई विवि में वर्कशॉप, डिमांड के अनुसार परिणाम आधारित शिक्षा पर जोर

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

इक्फाई यूनिवर्सिटी में बुधवार को परिणाम आधारित शिक्षा विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इक्फाई विवि के वीसी डॉ. ओएस राव ने कहा कि वर्तमान में परिणाम आधारित शिक्षा की आवश्यकता है, ताकि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स जॉब क्रिएटर बन सकें। वर्कशॉप का उद्देश्य फैकल्टी को परिणाम आधारित शिक्षा के लिए अपग्रेड करना है। बतौर मुख्य वक्ता आईआईटी खड़गपुर के डॉ. जीएल दत्ता ने कहा कि परिणाम आधारित शिक्षा स्टूडेंट के लिए उपयोगी साबित होगी।

city भास्कर

RANCHI,THURSDAY, 19/07/2018 . 2

इक्फाई विवि में परिणाम आधारित शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

रांची | इक्फाई विश्व विद्यालय में परिणाम आधारित शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी टीचर्स, पूर्व डीन आईआईटी खड़गपुर और पूर्व कुलपति के एल विश्वविद्यालय के डॉ प्रो जीएल दत्ता उपस्थित थे। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के सभी प्रधान विज्ञान और प्रौद्योगिकी आईटी और लॉ विभागों के टीचर्स ने भी हिस्सा लिया। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति आरएम राव ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य हमारे सदस्यों को परिणाम आधारित शिक्षा के संविधान को समझना है ताकि हमारे विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी। इस मौके पर प्रतिभागियों को कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ जीएल दत्ता ने कहा कि परिणाम आधारित शिक्षा स्टूडेंट्स के करियर उद्देश्य के साथ गठबंधन शिक्षण से सिखने के लिए ध्यान केंद्रित करके उच्च शिक्षा में एक आदर्श बदलाव को दर्शाती है।